चालित वाहनों में प्रयुक्त किए जाने हेतु पहली अप्रैल, 1995 से दिल्ली, बम्बई, कलकत्ता और मद्रास के चार महानगरों में सीसा रहित पेट्रोल शुरू किया गया है।

विवरण

बड़े नगरों में वायु प्रदूषण के स्तरों का रूख

1993-94 के दौरान प्रमुख वायु प्रदूषकों का वार्षिक औसत सान्द्रता (प्रतिघन मीटर माइक्रोग्राम में):

क्र०सं	शहर	प्रदूषक			
		सल्फर डाई-आक्साइड ($एस ओ_2$)	नाईट्रोजन आक्साइड ($एन ओ_x$)	निलंबित धूलकण (एस पी एम)	
1.	दिल्ली	13.7—30.7	25.7—51.7	322—622	
2.	बम्बई	6.0—49.5	6.0—33.1	92—475	
3.	कलकत्ता	16.3—65.1	18.1—62.0	235—640	
4.	मद्रास	9.0—23.3	9.1—27.1	71—141	

भावनगर-तारापुर-मुम्बई के बीच एक्सप्रेस राजमार्ग का निर्माण किया जाना

1699. **श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला:** क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इस समय तारापुर-भावनगर-मुम्बई के बीच चलने वाले यातायात का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार सौराष्ट्र और मुम्बई के बीच दूरी कम करने की दृष्टि से इस शताब्दी के दौरान भावनगर-तारापुर-मुम्बई के बीच समुद्री तट के साथ-साथ एक एक्सप्रेस राजमार्ग का निर्माण करने का विचार रखती है;

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या सरकार किसी अप्रवासी भारतीय, बहुराष्ट्रीक कम्पनी अथवा किसी निजी कम्पनी द्वारा इस राजमार्ग का निमार्ण कराने का विचार रखती है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री एम० राजशेखर मूर्ति): (क) से (ङ) यह मंत्रालय मुख्यतया केवल राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास और रख-रखाव के लिए जिम्मेदार है। राष्ट्रीय राजमार्गों को छोड़कर शेष अन्य सभी सड़कों के विकास और रख-रखाव के लिए संबंधित राज्य सरकार जिम्मेदार हैं। तारापुर तथा भावनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर नहीं है।

Assistance to Destitute Children from National Foundation for Communal Harmony

1700. SHRI K. RAHMAN KHAN: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) the number of destitute children of the victims of communal disturbances who have been provided assistance from National Foundation for Communal Harmony and amount given to each individual;

(b) the State-wise number of children getting the assistance from the foundation; and

(c) the number of children of victims who died in the Urdu Telecast disturbances receiving assistance in Karnataka?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (PROF. M. KAMSON): (a) The

National Foundation for Communal Harmony has provided assistance to 1006 children so far. Assistance at the rate of Rs. 425/- per month per child in class 'A' and 'B' cities and at the rate of Rs. 375/- per month per child at other places is provided.

(b) The Foundation has so far provided assistance to 39 children from Andhra Pradesh, 8 children from Assam, 44 children from Bihar, 273 children from Gujarat, 66 children from Karnataka, 43 children from Rajasthan, 145 children from Madhya Pradesh, 255 children from Maharashtra, 117 children from Uttar Pradesh and 16 children from Delhi.

(c) The National Foundation for Communal Harmony has not so far received any proposal from the Government of Karnataka for providing assistance to the children of the victims of Urdu Telecast disturbances in Karnataka in October, 1994.

खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना हेतु पंजाब से प्राप्त प्रस्ताव

1701. **श्री इकबाल सिंह:** क्या **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत दो वर्षों के दौरान खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना हेतु पंजाब सरकार द्वारा कितने प्रस्ताव भेजे गये हैं;

(ख) अब तक कितनी परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है; और

(ग) इस संबंध में राज्य सरकार द्वारा कितनी सहायता राशि की मांग की गई थी और केन्द्रीय सरकार ने कितनी धनराशि उपलब्ध कराई?

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के० पी० सिंह देव) : (क) से (ग) 1993-94 और 1995-96 के दौरान खाद्य प्रसंस्करण यूनिटों की स्थापना के लिए पंजाब से 2 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। 430 लाख रुपये की कुल सहायता की मांग में से अब तक इस मंत्रालय द्वारा 2000 लाख रुपये की सहायता दी जा चुकी है।

पेट्रोलियम उत्पादों के मूल्यों में वृद्धि

1702. **श्री राम जेठमलानी:**
श्रीमती सुषमा स्वराज:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि गत वर्षों के दौरान् पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों के मूल्यों और उनकी मांग में लगातार वृद्धि हो रही है,

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1991-92 से अप्रैल, 1995 तक देश में पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों के मूल्यों में कितने प्रतिशत वृद्धि हुई और उनकी मांग में प्रतिवर्ष किस दर से वृद्धि हुई,

(ग) क्या सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों की बढ़ती मांग को नियंत्रित करने के लिए देश में सरकारी क्षेत्र और निजी क्षेत्र द्वारा उपयोग में लाए गये पेट्रोल, डीजल और गैस की मात्राओं का पता लगाया है, और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा) (क) और (ख) मुख्य पेट्रोलियम उत्पादों के वर्ष 1991 से 1995 तक के भंडारण स्थल पर मूल्य (उत्पाद शुल्क सहित) संलग्न विवरण में दर्शाए गए हैं **(नीचे देखिये)**

वर्ष 1991-92, 1992-93, 1993-94 और 1994-95 के दौरान पेट्रोलियम उत्पादों की खपत में पिछले वर्ष की तुलना में क्रमशः 3.5%, 3.4%, 3.2% और 7.7% की वृद्धि हुई है।

(ग) और (घ) निजी और सार्वजनिक क्षेत्र में पेट्रोल, डीजल और एल पी जी की खपत का अलग-अलग निर्धारण नहीं किया जाता।